RAF SECTOR

NEWS CLIP

08/10/2021

TO SERVE HUMANITY WITH SENSITIVE POLICING

Dainik Jagran, Meerat (UP)

केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री श्री नित्यानंद राय ने आज उत्तर प्रदेश के मेरठ में द्रुत कार्य बल (RAF) की 29वीं वर्षगाँठ पर आयोजित परेड की सलामी ली। इस अवसर पर केन्द्रीय रिज़र्व पुलिस बल (CRPF) के महानिदेशक समेत बल के वरिष्ठ अधिकारी,जवान और उनके परिजन भी उपस्थित थे।

अपने संबोधन में श्री नित्यानंद राय ने कहा किवर्ष 1992 के दौरान केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में से आर.ए.एफ. के रूप में इस विशिष्ट बल का जन्म हुआ। तभी से यह बल राष्ट्र सेवा में सतत् एवं उत्कृष्ट योगदान देता आ रहा है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व और माननीय गृह मंत्री श्री अमित शाह जी के मार्गदर्शन में CRPF ने हर प्रकार की परिस्थितियों के लिए विभिन्न रूप में बलों का संगठन बनाया है जिसमें RAF देश में शांति व्यवस्था को सुनिश्चित करने में अहम् भूमिका निभाता है।RAF देशवासियों के विश्वास पर हमेशा खरा उतरता रहा है।

Dainik Jagran, Meerat (UP)

www.jagran.com

राहत-बचाव का काम भी करेगी आरएएफ : गृह राज्यमंत्री

जागरण संवाददाता, मेरठ : नीली वर्दी में नियंत्रण और शांति का पैगाम देने वाली आरएएफ (रैपिड एक्शन फोर्स) अब एनडीआरएफ (नेशनल डिजास्टर रिस्पांस फोर्स) की तर्ज पर काम करेगी। गुरुवार को वार्षिकोत्सव के मौके पर चार टीमों ने बचाव एवं राहत कार्य का प्रदर्शन भी किया। आरएएफ 108वीं वाहिनी की 29वीं वर्षगांठ कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केंद्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने परेड की सलामी ली।

उन्होंने संबोधन में कहा कि आरएएफ ने पूरे देश में खुद को स्थापित किया है। खास कार्यपद्धति, क्षमता और धैर्य से काम करने की विशेषता ही उसे श्रेष्ठ बनाती है। जम्मू-कश्मीर में आरएएफ का सराहनीय योगदान रहा है तो केरल में बाढ़ पीड़ितों की जान बचाई। दंगा नियंत्रण के साथ-साथ कानून व्यवस्था संभालने में भी सबसे पहले राज्य पुलिस के साथ आरएएफ के जवान ही खड़े दिखते हैं। लोगों का विश्वास है कि आरएएफ के पहुंचते ही वह सुरक्षित हो जाते हैं। केंद्रीय गृह राज्यमंत्री ने कहा कि आरएएफ देश-विदेश में भीड़ और दंगा नियंत्रण का प्रशिक्षण भी दे रही है। कुंभ मेला, रथयात्रा और किसान आंदोलन तक हर जगह आरएएफ के जवान मुस्तैदी से खड़े दिखते हैं। इस दौरान सांसद राजेंद्र अग्रवाल और सीआरपीएफ के डीजी कुलदीप सिंह भी मौजूद थे।

108 वीं वाहिनी आरएएफ के 29वें वार्षिकोत्सव में पहुंचे केंद्रीय गृह राज्यमंत्री

04 टीमों ने बचाव एवं राहत कार्य का प्रदर्शन भी किया

13 टीमों को आपदा के दौरान बचाव के लिए दिया है प्रशिक्षित

30 जवान राहत कार्य के लिए आरएएफ की प्रत्येक टीम में होंगे

मेडल प्राप्त करते अधिकारी • जागरण

ट्राफी प्राप्त करते अधिकारी • जागरण

मेडल प्राप्त करते अशोक कुमार सिंह •

मेडल प्राप्त करते बीसी पुटेल • जागरण

सत्यपाल को मेडल देते केंद्रीय गृह राज्यमंत्री • जागरण

108वीं वाहिनी आरएएफ के 29वें वार्षिकोत्सव में गुरुवार को परेड के दौरान विशेष पोशाक में बाद से राहत-बचाव कार्यों का प्रदर्शन करते जवान। जवानों की तत्परता देखते ही बन रही थी • अमित सैनी

संबोधित करते सीआरपीएफ के डीजी कुलदीप सिंह • जागरण

आरएएफ

- वार्षिकोत्सव के दौरान प्रेसवार्ता में डीजी ने दी जानकारी
- शांति व्यवस्था और आंतरिक सुरक्षा पर विशेष ध्यान

जरूरत पड़ने पर स्थापित की जाएगी दूसरी रेपो : डीजी

जागरण संवाददाता मेरठ : फिलहाल रेपो (आरएएफ एकेडमी आफ पब्लिक आर्डर) को आधुनिक रूप देने पर जोर दिया जा रहा है। इसलिए समय-समय पर प्रशिक्षण में भी बदलाव किया जाता है। नए-नए उपकरण भी खरीदे जाते हैं, ताकि जवान हर स्थिति से निपट सकें। जरूरत पड़ने पर ही दूसरी रेपो स्थापित की जाएगी। यह बातें वार्षिकोत्सव के बाद आयोजित प्रेसवार्ता में डीजी कुलदीप सिंह ने कहीं। बता दें कि देश की एकमात्र रेपो मेरठ में स्थापित है। केंद्रीय गृह राज्यमंत्री ने आरएएफ की तारीफ करते हुए हमेशा तैयार रहने वाला बल बताया। उन्होंने कहा कि शांति बनाए रखने में आरएएफ का विशेष योगदान है। राज्यों के साथ अब ये देश की जरूरत बन गई है। सीआरपीएफ डीजी ने कहा कि वर्तमान दौर में आरएएफ खुद को और मजबूत कर रही है। दंगा नियंत्रण के प्रशिक्षण के लिए रेपो को भी नए-नए हथियार उपलब्ध कराए जा रहे हैं। आज ड्रोन को भी राष्ट्र विरोधी तत्व इस्तेमाल करते हैं, इसलिए एंटी ड्रोन तकनीक का भी इस्तेमाल किया जाता है। इसे और भी मजबूत करने पर काम किया जा रहा है। जैविक हथियारों से कैसे पार पाया जाए, इस सवाल पर उन्होंने कहा कि यह दूर की बात है। अभी तो आरएएफ गैस रिसाव के दौरान होने वाले हादसों को रोकने पर काम कर रही है। गैस सिलेंडर और मास्क की मदद से पीड़ितों को बचाया जाता है। उधर, किसान आंदोलन और लखीमपुर खीरी के सवाल को मुख्य अतिथि टाल गए।

राहत और बचाव कार्यों का किया प्रदर्शन

आने वाले दिनों में आरएएफ के जवान आपदा के दौरान राहत और बचाव करते भी दिखेंगे। इसके लिए 13 टीमों को प्रशिक्षित किया गया है। हर टीम में 30-30 जवान होंगे। वार्षिकोत्सव के दौरान बाढ़ आपदा राहत बचाव एवं प्रबंधन, क्षतिग्रस्त संरचना खोज एवं बचाव, प्राथमिक चिकित्सा उपचार और रसायन जैविक रेडियोधर्मिता एवं नाभिकीय टीमों ने प्रदर्शन किया।

अधिकारी को ट्राफी प्रदान करते केंद्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय • जागरण

29 साल की हुई आरएएफ की 108वीं वाहिनी

बुधवार को आरएएफ 29 साल की हो गई। मेरठ में स्थापित 108वीं वाहिनी की 29वीं वर्षगांठ मनाई गई। शांति मिशन के लिए पहचाने रखने वाली इस फोर्स का गौरवशाली इतिहास रहा है।

सीआरपीएफ से परिवर्तित कर बनी

आरएएफ दरअसल, सीआरपीएफ की विंग है। सात अक्टूबर 1992 को सीआरपीएफ के 10 स्वाधीन बटालियन को परिवर्तित करके इसे बनाया गया था। पहले पूरे देश में आरएएफ की 10 वाहिनी थीं। फिलहाल 15 वाहिनी स्थापित है। दंगा नियंत्रण, भीड़ हिंसा और लोक व्यवस्था के लिए आरएएफ मेरठ की वाहिनी पूरे पश्चिमी उत्तर प्रदेश में स्तंभ बनी है। चुनाव आदि में राज्य पुलिस के साथ आरएएफ को लगाया जाता है।

वार्षिकोत्सव में मौजूद वरिष्ठ पुलिस अधिकारी • जागरण

धैर्य और साहस के बल पर बनाई पहचान

जागरण संवाददाता, मेरठ : आरएएफ की 29वीं वर्षगांठ के मौके पर मुख्य अतिथि केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने कहा कि आरएएफ ने देश में ही नहीं विदेशों में भी अपना नाम स्थापित किया है। कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी और अरुणाचल प्रदेश से गुजरात तक नाम चमकाया है। आज हर राज्य में बटालियन के जवान कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहते हैं।

मुख्य अतिथि ने कहा कि केरल में आई बाढ़ में जवानों ने साहस का परिचय देते हुए लोगों की जान बचाई। धैर्य और साहस के बल पर ही राष्ट्रविरोधी तत्वों को मुंहतोड़ जवाब दिया है। यूएन मिशन के तहत भी आरएएफ के जवानों ने अपनी पहचान बनाई है। जम्मू में तो बहुत ही सराहनीय कार्य किया है। भीड़ हिंसा रोकने और दंगा नियंत्रण के साथ ही वहां की पुलिस को भी मेरठ में प्रशिक्षित किया गया था। शांति का

वार्षिकोत्सव में संबोधित करते केंद्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय • जागरण

माहौल कायम कराना ही आरएएफ का उद्देश्य रहता है। कोरोना काल के दौरान भी मदद के लिए जवान सड़कों पर मौजूद रहे। सीआरपीएफ के साथ मिलकर जुलाई में साढ़े चार लाख से ज्यादा पौधे रोपे। पर्यावरण संरक्षण के साथ ही जल संचयन का भी संदेश लोगों को दिया जा रहा है। हाल ही में साइकिल रैली निकालकर जहां सेहत पर ध्यान देने की बात कही गई, वहीं स्वच्छता का भी पाठ पढ़ाया गया था।

परेड में शामिल हुई छह टोली : रैपिड एक्शन फोर्स की वर्षगांठ के मौके पर परेड हुई, जिसमें मेरठ बटालियन के साथ अलग-अलग वाहिनियों की एक-एक टोली शामिल रही। सबसे आगे महिला जवानों की टोली अनुशासन के साथ चली। इस दौरान आरएएफ के वरुण, वज्र और कृत्रिम बैरिकेडिंग बनाने वाले वाहन शामिल किए गए।

बटालियन को ट्राफी और जवानों को पुलिस मेडल

मुख्य अतिथि ने बेस्ट आपरेशन बटालियन की ट्राफी 108 आरएएफ को दी, जो कमांडेंट राजेंद्र प्रसाद ने ग्रहण की। बेस्ट प्रशासनिक सेवा के लिए ट्राफी 100 आरएएफ अहमदाबाद को दी गई। बेस्ट ई-गवर्नेंस की ट्राफी 106 बटालियन को दी गई। मनीष कुमार सच्चर, सत्यपाल, अशोक कुमार सिंह और भगत बरण पुटेल को पुलिस मेडल से सम्मानित किया गया।

29th RAF ANNIVERSARY PHOTOS

सी0आर0पी0एफ0 सदा अजेय, भारत माता की जय।